एलेन गिंज़बर्ग

बीट

पीढ़ी के आदिकवि

अंजुम नईम

साठ के दशक के उत्तरार्द्ध में हम भारतीय जिस बीट पीढ़ी आंदोलन के संदर्भ में अपने साहित्य की पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे उसने '40 और '50 के दशक में अमेरिकी साहित्य में एक तूफान ला दिया था। जिस प्रकार फ्रांस में इम्प्रेशनिस्ट कलाकारों ने पेरिस के एक छोटे से क्षेत्र में अपने आंदोलन की शुरुआत करके उसे कला और साहित्य के सबसे लोकप्रिय बौद्धिक आंदोलन का रूप दिया था, बीट पीढ़ी का आंदोलन भी उसी प्रकार जैक केरॉक, एलेन गिंज़बर्ग, नील केसिडी और विलियम एस. बरोज की कुछ बैठकों का नतीजा थी।

इस आंदोलन ने विश्व स्तर पर साहित्य को प्रभावित किया। चालीस के दशक के दौरान उनके सहयोगियों ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में अपने विचारों को कविता के रूप में पेश किया और उसके क्षेत्र को बढ़ाते हुए जल्दी ही सेंट फ्रांसिस्को तक पहुंच गए, जहां गैरी स्नाइडर, ल्यू वैल्श और लॉरेंस फरलेंगीटी पहले से ही उनके इस बौद्धिक आंदोलन को अपनी रचनाओं का हिस्सा बना चुके थे। इस पूरे साहित्यिक आंदोलन में जहां जैक केरॉक को इसे एक बौद्धिक स्तर प्रदान करने वालों में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त है, वहीं गिंज़बर्ग अपनी रचनात्मक प्रस्तुति के लिए सबसे विश्वसनीय माने जाते हैं। न्यूयॉर्क में 1926 में जन्म गिंज़बर्ग ने 1948 में कोलंबिया विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। उनका शुरुआती जीवन कठिनाइयों भरा था। उन्होंने प्रारंभ में मजदूरी-कुलीगिरी तक की लेकिन एक व्यावहारिक व्यक्ति की तरह उन्होंने अपने अतीत पर कभी भी अफसोस नहीं किया बल्कि वह बड़े गर्व से उसका उल्लेख करते थे। डेनवर में रात में सामान उठाने वाले मजदूर या माल ढोने वाले जहाज पर कुली का काम कर चुके गिंज़बर्ग जब अपनी कविताओं में उन अनुभवों को कलात्मक पहचान देने की कोशिश करते हैं तो उसमें यथार्थ झलकता है।

पचास के दशक के शुरुआती वर्ष गिंज़बर्ग के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह वही दौर है जब साहित्य में अपने विशेष बौद्धिक और काव्यात्मक दृष्टिकोण के कारण विश्व स्तर पर उन्हें ख्याति मिली और बीट पीढ़ी आंदोलन पूरी दुनिया में साहित्य का हिस्सा बन गया। कुछ बौद्धिक खींचातानी के बावजूद उनके जीवनकाल में ही उनकी विशेष साहित्यिक पहचान बन गई और उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वुडबरी पोएट्री पुरस्कार, गग्गनहाइम फेलोशिप, नेशनल बुक अवार्ड फॉर पोएट्री, एन ई ए ग्रांट्स और कोलंबस फाउंडेशन की ओर से लाइफ टाइम एचीवमेंट उन्हें उस समय दिए गए जब वह नौकरशाहों के बीच काफी अलोकप्रिय समझे जाते थे। अपनी सुप्रसिद्ध कविता 'हॉउल' के अतिरिक्त उन्होंने कई और रचनाएं प्रस्तुत कीं। उनकी कृतियां प्रकाशित होते ही साहित्यिक गोष्ठियों में भारी वाद-विवाद का कारण बनीं और स्ट्रीम ऑफ कॅनशसनेस को बड़े सुंदर ढंग से बरतने का चलन बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन पर अश्लीलता और बड़े ही अनगढ़ ढंग से अपनी बात प्रस्तुत करने का आरोप लगाया गया। 'हॉउल' के पाठ पर अश्लीलता के आरोप में सिटी लाइट बुक्स के मालिक लॉरेंस फरलेंगीटी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिंज़बर्ग को भी समलैंगिकता फैलाने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया। आरोप लगाया जाने लगा कि गिंज़बर्ग और उनके साथी अपनी हताशा और विफलता का विष बड़े सुनियोजित ढंग से पूरी पीढ़ी में फैला रहे हैं। लेकिन यह सारे आरोप धीरे-धीरे अपनी मौत आप ही मर गए और जीवन की कड़ी सच्चाई को दर्शाने वाला यह साहित्य विश्व साहित्य में एक सौहार्दपूण बदलाव का कारण बना। लेकिन केरॉक, विलियम कार्लोस विलियम्स और कैनेथ रेक्स रॉथ ने हर मोर्चे पर गिंज़बर्ग का बचाव किया और उनकी साहित्यिक महत्ता पर खुलकर वाद- विवाद की शुरुआत की। केरॉक और विलियम्स का प्रभाव गिंज़बर्ग की काव्य रचनाओं में साफ दिखता है।

गिंज़बर्ग जिस समय साहित्य की रचना कर रहे थे उस समय पश्चिम में अध्यात्मवाद का बोलबाला था। आध्यात्मिक स्तर पर आत्मा विचार का विषय बनी थी और गिंज़बर्ग भी खुद को उससे बचा नहीं सके। उन्नीसवीं सदी की मेटाफिजिकल कविता से गिंज़बर्ग काफी प्रभावित थे, ब्लेक उनके पसंदीदा कवियों में से थे। आध्यात्मिक अनुभव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव डालते हैं। गिंज़बर्ग भी इससे बच नहीं सके और दिमाग की शांति के लिए उन्होंने मादक पदार्थों का सेवन शुरू कर दिया। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कविता हॉउल ही नहीं बल्कि दूसरी महत्वपूर्ण रचनाएं भी मादक पदार्थों के सेवन के बाद ही लिखी थीं। राजनैतिक स्तर पर उनका झुकाव उस सामाजिक आंदोलन की परंपरा की ओर था जो लॉंग और ह्विटमैन की अमेरिकी कविता में साफ दिखता है। नाजी गैस चैंबर और वियतनाम जैसे विषय उनकी कविताओं में बार-बार दिखते हैं। अप्रैल 1997 में उनकी मृत्यु के बाद दुनिया भर में उनकी कृतियों पर गोष्ठियां आयोजित हुईं और थोरो, इमरसन और ह्विटमैन की काव्यात्मक परंपरा का उन्हें एक विश्वसनीय पात्र घोषित करने की कोशिश भी की गई लेकिन सच्चाई यह है कि साहित्य में लोकप्रिय रवैये को जन्म देने वाले गिंज़बर्ग दूसरे बीट कवियों की पंक्ति में भी सबसे अलग और श्रेष्ठ नजर आते हैं। □